चीन में जनसंख्या सर्वेक्षण

प्रलिम्सि के लयि:

चीन में जनसंख्या सर्वेक्षण, चीन की जनसंख्या नीतयिाँ, संयुक्त राष्ट्र, राष्ट्रीय परविार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS)

मेन्स के लयि:

चीन में जनसंख्या सर्वेक्षण, जनसंख्या और संबंधति मुद्दे, गरीबी तथा वकिासात्मक मुद्दे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में चीन ने जनसंख्या परविर्तन के कारण 1.4 मलियिन व्यक्तयिों पर एक सर्वेक्षण शुरू कयिा क्योंक घिटती जन्म दर और छह दशकों से अधकि समय में पहली बार जनसंख्या में गरिावट के कारण अधकिारी, व्यक्तयिों को **अधकि संतान पैदा करने के लयि प्रोत्साहति करने हेतु संघर्ष कर** रहे हैं।

- चीन में 60 से अधकि वर्षों में पहली बार जन्म दर और जनसंख्या में गरिावट के साथ **वर्ष 2022 में लगभग 850,000 लोगों की कमी का** अनुभव कयिा गया है।
- वर्ष 1961 में चीन के **भीषण अकाल** के बाद पहली बार वर्ष 2022 में वहाँ की जनसंख्या में गरिावट का अनुभव कयिा गया।

जनसंख्या के लयि चीन की अब तक की नीतयिाँ:

- **वन चाइल्ड पॉलसिी:**
  - चीन ने **वर्ष 1980 में तब अपनी वन चाइल्ड पॉलसिी** शुरू की, जब वहाँ की सरकार इस बात से चतिति थी कि देश की बढ़ती जनसंख्या (जो क उिस समय एक अरब के करीब पहुँच रही थी) आर्थकि प्रगत मिें बाधा बनेगी।
    - चीनी अधकिारयिों ने **लंबे समय से चल रही इस नीत को सफल बताया** है और दावा कयिा है क इिससे देश में 40 करोड़ लोगों के जन्म को रोककर भोजन एवं जल की गंभीर कमी को दूर करने में मदद मलिी है।
    - यह असंतोष का एक कारण हो सकता है क्योंक रािज्य ने ज़बरन गर्भपात और नसबंदी जैसी क्रूर रणनीत का प्रयोग कयिा था।
    - इसकी नीत की आलोचना भी हुई तथा यह मानवाधकिारों के उल्लंघन और गरीबों के प्रत अिन्याय के कारण ववादास्पद रही।
- **टू चाइल्ड पॉलसिी:**
  - वर्ष 2016 से चीनी सरकार ने अंततः **प्रत जिोड़े के लयि दो संतान की अनुमत दी,** इस नीत परविर्तन ने जनसंख्या वृद्ध मिें तेज़ी से गरिावट को रोकने में बहुत कम योगदान दयिा।
- **थ्री चाइल्ड पॉलसिी:**
  - इसकी घोषणा तब की गई जब **चीन की वर्ष 2020 की** जनगणना के आँकड़ों से पता चला क वर्ष 2016 की छूट के बावजूद देश की जनसंख्या वृद्ध दिर तेज़ी से कम हो रही है।
  - देश की प्रजनन दर **कम होकर 1.3 हो गई है** जो एक पीढ़ी के लयि पर्याप्त संतान पैदा करने हेतु आवश्यक 2.1 के प्रतसि्थापन स्तर से काफी नीचे है।
  - संयुक्त राष्ट्र को उम्मीद है क चिीन की जनसंख्या वर्ष 2030 के बाद कम हो जाएगी लेकनि कुछ वशिषज्ञों का कहना है क ऐिसा अगले एक या दो वर्षों में हो सकता है।

चीन में कम होती जनसंख्या को लेकर चतिाएँ:

- **श्रम में कमी:**
  - जब कसिी देश में युवा जनसंख्या कम हो जाती है, **तो इससे श्रम की कमी की स्थित उित्पन्न होती है** जसिका अर्थव्यवस्था पर हानकिारक प्रभाव पड़ता है।
- **सामाजकि व्यय में वृद्ध:ि**
  - अधकि वृद्ध व्यक्तयिों का अर्थ यह भी है क **स्वास्थ्य देखभाल एवं पेंशन की मांग बढ़ सकती है,** जसिसे देश की सामाजकि व्यय

प्रणाली पर तब और अधिक बोझ पड़ेगा जब कम व्यक्ति कार्य कर रहे हैं तथा इसमें योगदान दे रहे हैं।

- **विकासशील देशों के लिये महत्त्वपूर्ण:**
    - चीन को एक **मध्यम आय वाले देश** के रूप में जनसंख्या गिरावट की एक अनूठी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है **जो कि श्रम केंद्रित क्षेत्रों पर निर्भर करता है,** जबकि अमीर देश (जापान और जर्मनी) पूंजी और प्रौद्योगिकी में अधिक निवेश कर सकते हैं। इससे इसकी **आर्थिक वृद्धि में कमी आ सकती है और भारत जैसे अन्य विकासशील देशों पर इसका असर पड़ सकता है।**
    - जनसंख्या में गिरावट के कारण विश्व पर विभिन्न प्रभाव पड़ सकते हैं जैसे-**वैश्विक आर्थिक विकास में धीमी गति और चीन के विनिर्माण तथा निर्यात पर निर्भर आपूर्ति शृंखला का बाधित होना।**
    - यह वैश्विक श्रम बाज़ार और उपभोक्ता मांग में अंतर की समस्या से निपटने में अन्य देशों के लिये अवसर के साथ ही चुनौतियाँ भी पैदा कर सकता है।

विश्व की जनसंख्या प्रवृत्तियाँ:

- **विश्व की जनसंख्या:**
    - विश्व की जनसंख्या वर्ष 1950 के अनुमानित 2.5 अरब से बढ़कर नवंबर 2022 के मध्य में 8 अरब तक पहुँच गई, जो मानव विकास में एक मील का पत्थर है। हालाँकि वैश्विक आबादी को 7 से 8 अरब होने में 12 वर्ष लग गए।

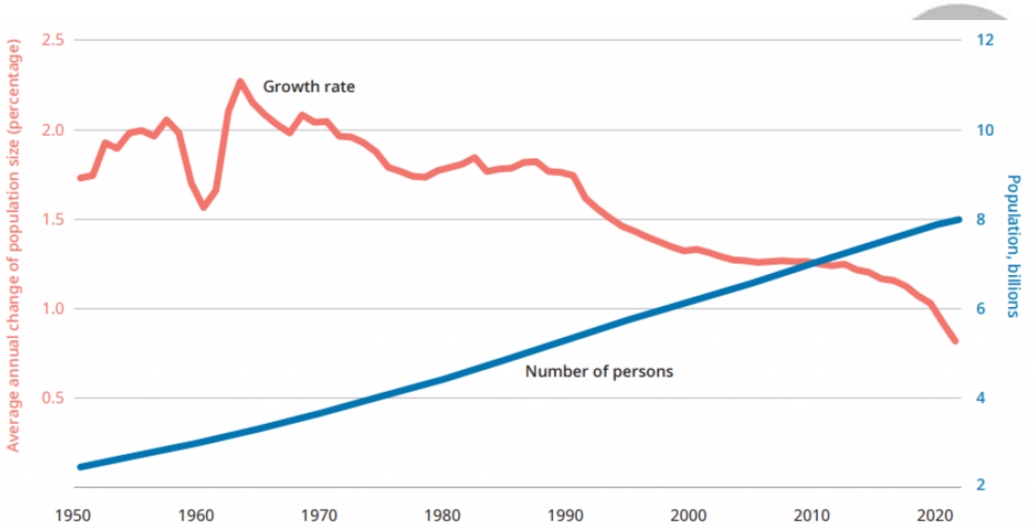

//

- **भारत की जनसंख्या:**
    - संयुक्त राष्ट्र के आँकड़ों के अनुसार, भारत वर्ष 2023 में 142.86 करोड़ व्यक्तियों के साथ **चीन को पीछे छोड़कर विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है।**
        - भारत की 25 प्रतिशत आबादी 0-14 वर्ष, 18 प्रतिशत आबादी 10-19 आयु वर्ग, 26 प्रतिशत आबादी 10-24 वर्ष आयु वर्ग, 68 प्रतिशत आबादी 15-64 वर्ष आयु और 7 प्रतिशत आबादी 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की है।

DEMOGRAPHIC INDICATORS

	Population	15-64 years	65+	TFR	Life expectancy
India	1,428.6 mn	68%	7%	2.0	72.5 yrs
China	1,425.7 mn	69%	14%	1.2	79 yrs
World	8,045 mn	65%	10%	2.3	73.5 yrs

UNFPA's State of World Population Report 2023

- **सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि वाले क्षेत्र:**
    - अनुमान है कि अब से वर्ष 2050 के बीच विश्व की आधी से अधिक जनसंख्या वृद्धि अफ्रीका में होगी।

- **प्रमुख क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि की दर अफ्रीका में सबसे अधिक है।** उप-सहारा अफ्रीका की जनसंख्या वर्ष 2050 तक दोगुनी होने का अनुमान है।
- सीरिया की जनसंख्या में **पिछले वर्ष की तुलना में** लगभग 6.39% की वृद्धि हुई, जिससे यह वर्ष 2023 में सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि दर वाला देश बन गया।

- **घटती जनसंख्या वाले देश:**
  - बोस्निया और हर्ज़ेगोविना, बुल्गारिया, **क्रोएशिया, हंगरी, जापान, लातविया, लिथुआनिया, मोल्दोवा गणराज्य**, रोमानिया, सर्बिया तथा यूक्रेन सहित कई देशों में वर्ष 2050 तक जनसंख्या में 15% से अधिक की गिरावट आने की संभावना है।
  - वर्ष 2023 में कुक आइलैंड्स की जनसंख्या गिरावट दर 2.31% के साथ सबसे अधिक है।

चीन में जनसांख्यिकीय बदलाव भारत के लिये सबक:

- **कड़े उपायों से बचाव:**
  - कड़े जनसंख्या नियंत्रण उपायों ने चीन को एक ऐसे मानवीय संकट में डाल दिया है जो अपरिहार्य थे। यदि दो बच्चों की सीमा जैसे कठोर नियम लागू किये जाते हैं, तो भारत की स्थिति और खराब हो सकती है।
- **महिला सशक्तीकरण:**
  - प्रजनन दर को कम करने के सिद्ध तरीकों में **महिलाओं को उनकी प्रजनन क्षमता पर नियंत्रण प्रदान करना** और शिक्षा, आर्थिक अवसरों एवं स्वास्थ्य देखभाल तक अभिगम बढ़ाकर उनका अधिक सशक्तीकरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।
  - वास्तव में चीन की प्रजनन क्षमता में कमी के लिये ज़बरदस्ती नीतियों को लागू करना केवल आंशिक वजह है जबकि यह मुख्य रूप से महिलाओं के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य और नौकरी के अवसरों में देश द्वारा किये गए निरंतर निवेश के कारण है।
- **जनसंख्या स्थिरीकरण की आवश्यकता:**
  - भारत ने अपने परिवार नियोजन उपायों के चलते बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और अब **यह प्रजनन क्षमता 2.1 के प्रतिस्थापन स्तर पर है** जो कि अभीष्ट है।
  - इसे जनसंख्या स्थिरता को बनाए रखने की आवश्यकता है क्योंकि सिक्किम, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, केरल और कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों में कुल प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे है, जिसका अर्थ है कि भारत ऐसा 30-40 वर्षों में अनुभव कर सकता है जैसा कि चीन अब अनुभव कर रहा है।

जनसंख्या नियंत्रण हेतु भारत द्वारा उठाए गए कदम:

- भारत 1950 के दशक में राज्य प्रायोजित परिवार नियोजन कार्यक्रम शुरू करने वाले **पहले विकासशील देशों में से एक** बन गया।
  - वर्ष 1952 में एक जनसंख्या नीति समिति की स्थापना की गई।
  - वर्ष 1956 में एक केंद्रीय परिवार नियोजन बोर्ड की स्थापना की गई और इसका ध्यान नसबंदी पर था।
  - वर्ष 1976 में भारत सरकार ने पहली राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की घोषणा की।
- **राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000** में भारत के लिये एक स्थिर जनसंख्या प्राप्त करने की परिकल्पना की गई है।
  - नीति का लक्ष्य वर्ष 2045 तक स्थिर जनसंख्या प्राप्त करना है।
  - इसका एक तात्कालिक उद्देश्य गर्भनिरोधक, स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढाँचे एवं कर्मियों की ज़रूरतों को पूरा करना, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य से जुड़ी बुनियादी देखभाल के लिये एकीकृत सेवा वितरण प्रदान करना है।
- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS)
- जनसंख्या की बढ़ती दर की समस्या से निपटने में शिक्षा के महत्त्व को महसूस करते हुए शिक्षा मंत्रालय ने वर्ष 1980 से जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया।
  - जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम एक केंद्रीय स्तर की योजना है जिसे औपचारिक शिक्षा प्रणाली में जनसंख्या संबंधी शिक्षा शुरू करने के लिये तैयार किया गया है।
  - इसे जनसंख्या गतिविधियों के लिये संयुक्त राष्ट्र कोष (UNFPA) के सहयोग से तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सक्रिय भागीदारी के साथ विकसित किया गया है।

निष्कर्ष:

- भारत के पास वर्ष 2040 तक अपनी युवा आबादी (जनसांख्यिकीय लाभांश) से लाभ उठाने का मौका है- जैसा कि चीन ने 2015 तक किया था।
- लेकिन यह युवाओं के लिये अच्छी नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने पर निर्भर करता है। उन अवसरों के बिना भारत का जनसांख्यिकीय लाभ, लाभ के बजाय समस्या बन सकता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

???????????:

प्रश्न. किसी भी देश के संदर्भ में निम्नलिखित में से किसे उस देश की सामाजिक पूंजी (सोशल कैपिटल) के भाग के रूप समझा जाएगा? (2019)

(a) जनसंख्या में साक्षरों का अनुपात।
(b) इसके भवनों, अन्य आधारित संरचना और मशीनों का स्टॉक।
(c) कार्यशील आयु समूह में जनसंख्या का आकार।
(d) समाज में आपसी भरोसे और सामंजस्य का स्तर।

उत्तर: (d)

प्रश्न. भारत को "जनसांख्यिकीय लाभांश" वाला देश माना जाता है। इसकी वजह है: (2011)

(a) इसकी 15 वर्ष से कम आयु वर्ग में उच्च जनसंख्या।
(b) इसकी 15-64 वर्ष के आयु वर्ग की उच्च जनसंख्या।
(c) इसकी 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की उच्च जनसंख्या।
(d) इसकी कुल उच्च जनसंख्या।

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. जनसंख्या शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों की विवेचना करते हुए भारत में इन्हें प्राप्त करने के उपायों पर विस्तृत प्रकाश डालिये। (2021)

प्रश्न. "महिला सशक्तीकरण जनसंख्या संवृद्धि को नियंत्रित करने की कुंजी है।" चर्चा कीजिये। (2019)

प्रश्न. समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिये कि क्या बढ़ती हुई जनसंख्या निर्धनता का मुख्य कारण है या निर्धनता जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण है। (2015)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/population-survey-in-china